जयपुर • कोटा • बीकानेर • उदयपुर • अजमेर • जालोर • हिण्डौनसिटी • चूरू

राष्ट्रदूत

epaper.rashtradoot.com

जालोर

Rashtradoot

फोनः- 226422, 226423 फैक्सः- 02973-226424 वर्षः 20 संख्याः 66 प्रभात जालोर, शुक्रवार 13 जून, 2025 पो. रजि. /RJ/SRO/9640/2022-24 पृष्ठ 6 मूल्य 2.50 रु.

अहमदाबाद विमान क्रैश में 241 की मौत

लंदन जा रहा एयर इंडिया का बोइंग विमान उड़ान भरते ही रिहायशी इलाके में गिरा

अहमदाबाद, 12 जून। अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अपराह्न सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। आधिकारिक जानकारी के अनुसार, उड़ान संख्या एआई 171 में 230 यात्री, दो पायलट और चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। अब तक हादसे में केवल एक यात्री के जिंदा बचने की बात आई है। बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

- करीब सवा आठ सौ फिट की ऊँचाई पर जाने के बाद विमान तेजी से नीचे आने लगा और हवाई अड्डे की परिधि के बाहर मेधावी नगर रिहायशी इलाके के एक अस्पताल परिसर में गिरा, गिरते ही विमान में आग लग गई।

अहमदाबाद से लंदन जा रहा एयर इंडिया का एक ड्रीमलाइनर बोइंग 787-8 विमान गुरुवार को अपराह्न सरदार पटेल अंतरराष्ट्रीय हवाईअड्डे से उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इसमें 12 क्रू मेंबर समेत 242 लोग सवार थे। हादसे में केवल एक यात्री जिंदा बचा है, बाकी सभी लोगों की मौत हो गई है।

इन यात्रियों में 169 भारतीय नागरिक , 53 ब्रिटिश, सात पुर्तगाली और एक कैनडा का नागरिक हैं। यात्रियों की सूची में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी का नाम भी शामिल है। यह विमान एयरलाइंस के बेड़े में 2016 में शामिल किया गया था। डायरैक्टोरेट जनरल ऑफ सिविल एविएशन (डीजीसीए) ने इस दुर्घटना की जांच के आदेश दे दिये हैं।

डीजीसीए के एक वक्तव्य में कहा गया है कि एयर इंडिया के विमान वीटी-एएनबी ने अहमदाबाद से लंदन के गैटविक हवाई अड्डे के लिए उड़ान भरी थी, लेकिन तुरंत बाद ही यह दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान की कमान कैप्टन सुमित सभरवाल के पास थी और उनके साथ फर्स्ट ऑफिसर क्लाइव कुंदर थे। कैप्टन सुमित सभरवाल 8200 घंटों के अनुभव वाले पायलट हैं। सह-पायलट के पास 1100 घंटों का उड़ान अनुभव था।

एयर ट्रैफिक कंट्रोल (एटीसी) के अनुसार, विमान ने रनवे संख्या 23 से अपराह्न एक बजकर 39 मिनट पर उड़ान भरी थी। उड़ान भरने के कुछ ही क्षणों बाद, इसने एटीसी को "मे डे", यानी गंभीरतम आपातस्थिति का संकेत दिया, लेकिन उसके बाद एटीसी द्वारा की गयी कॉल पर विमान से कोई प्रतिक्रिया नहीं आयी। इसके तुरंत बाद, विमान हवाई अड्डे के निकट रिहायशी इलाके में गिर गया और दुर्घटना स्थल से काले धुएं के गुबार उठने लगे।

हवाई अड्डे के प्रवक्ता ने बताया कि दुर्घटना के बाद हवाई अड्डे से सभी उड़ानों के आवागमन को अस्थायी तौर पर रोक दिया गया है। विमान करीब सवा आठ सौ फुट की ऊंचाई पर जाने के बाद तेजी से नीचे आने लगा और हवाई अड्डे की परिधि के बाहर रिहायशी इलाके में एक अस्पताल के परिसर में गिरते ही

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

विमान दुर्घटना में पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की मृत्यु

अहमदाबाद, 12 जून। अहमदाबाद विमान दुर्घटना में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी की भी मृत्यु हुई है। केन्द्रीय जल शक्ति मंत्री एवं गुजरात भारतीय जनता पार्टी अध्यक्ष सीआर पाटिल ने रुपाणी के मृत्यु की पुष्टि की है। रुपाणी एयर इंडिया के उस विमान में सवार थे जो गुरुवार को अहमदाबाद से लंदन के लिये उड़ान भरते ही दुर्घटनाग्रस्त हो गया। विमान में 230 यात्री, दो पायलट तथा चालक दल के 10 अन्य सदस्य सवार थे। अभी तक प्राप्त जानकारी के अनुसार, हादसे में एक यात्री जीवित बचा है और उसका अस्पताल में उपचार चल रहा है।

मोदी, शाह, खड़गे, ने विमान हादसे पर शोक जताया

नयी दिल्ली, 12 जून। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी, केन्द्रीय गृह मंत्री अमित शाह, रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे सहित अनेक नेताओं ने गुजरात के अहमदाबाद शहर में गुरूवार को हुए विमान हादसे पर गहरा दुख व्यक्त किया है और प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना जतायी है।

मोदी ने इसे दिल दहलाने वाली घटना बताते हुए कहा कि प्रभावित लोगों की सहायता के लिए हरसंभव कदम

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

प्लेन क्रैश क्यों हुआ?

हवाई जहाज के दोनों इंजनों ने एक साथ काम करना बंद कर दिया था, इसलिए प्लेन पूरी तरह से टेकऑफ नहीं कर पाया

-रेणु मित्तल-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। भारत और विश्व के विमानन इतिहास की सबसे भीषण त्रासदियों में से एक आज उस समय घटी, जब करोड़ों भारतीयों के सपनों के साथ-साथ एक बोइंग ड्रीमलाइनर विमान भी अहमदाबाद से लंदन जाते हुए दुर्घटनाग्रस्त हो गया।

विमान में यात्रा कर रहे 242 यात्रियों में से एक व्यक्ति चमत्कारी रूप से बच गया, लेकिन 787 जैसे अत्यंत मज़बूत और आधुनिक विमान के इस हादसे ने देश और दुनिया को हिलाकर रख दिया है।

- दूसरी थ्योरी है कि हवाई जहाज के "विंग्स" पर लगे "फ्लैप्स" नहीं खुले तथा विंग्स पर चिपके ही रहे। अतः विमान ऊँचाई नहीं पकड़ पाया। ऊँचाई पकड़ने के लिए फ्लैप्स 15 से 20 डिग्री का कोण बनाते हुए खुले होने चाहिए। फ्लैप्स के खुलने से दवाब बनता है, जो हवाई जहाज को ऊँचाई पकड़ने में मदद करता है।
- भीषण गर्मी थी तथा "फ्यूल टैंक" पैट्रोल से पूरे भरे हुए थे, लम्बी यात्रा के लिए। अतः ऊँचाई पकड़ने के लिये पूरा "थ्रस्ट' मिलना चाहिए था और फ्लैप्स न खुलने से तथा जहाज पर "फ्यूल टैंक" पैट्रोल से भरे होने के कारण काफी वजन था। अतः प्लेन को ऊँचाई पकड़ने के लिए आवश्यक "थ्रस्ट" नहीं मिल पाया।

आखिर हुआ क्या था? इस समय सब कुछ विशेषज्ञों की अटकलों पर

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

काफी बेचैनी सी है, भाजपा के कैडर में जातिगत जनगणना के मुद्दे पर

बेचैनी केवल राजनीतिक रणनीति की दृष्टि से ही नहीं, बल्कि पार्टी के मूल दर्शन के कारण भी है

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। मोदी सरकार ने हालांकि जाति जनगणना कराने की घोषणा की थी, लेकिन खुद प्रधानमंत्री और भाजपा को इससे हिचक रही है और पार्टी इसका विरोध कर रही है क्योंकि यह राजनीतिक और सामाजिक रूप से एक जटिल मुद्दा है।

- भाजपा "व्यापक हिंदू समाज" की परिकल्पना पर आधारित है, जबकि, जातिगत जनगणना "छोटी-छोटी जातियों" की पहचान उभार कर जातिगत भागों व विभाजन को उभारती है।

जाति जनगणना का अर्थ है, राष्ट्रीय

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

क्रैश में बचा एक मात्र यात्री टहलता नज़र आया

अहमदाबाद, 12 जून। "जाको राखे साइयाँ मार सके ना कोय..."। अहमदाबाद प्लेन क्रैश में यह उक्ति फिर सही साबित हुई है। इस भीषण हादसे के बाद भी एक यात्री सकुशल बचा। हादसे के बाद वह घटनास्थल पर टहलता हुआ नजर आया। उसने न केवल मीडिया से बात की, बल्कि यह भी बताया कि हादसे में वह कैसे बचा। इस हादसे में जिंदा बचे शख्स का नाम रमेश विश्वास कुमार। रमेश विश्वास कुमार सीट नंबर-11 पर बैठे था।

- सीट नं. 11 पर बैठा रमेश विश्वास कुमार प्लेन क्रैश होते ही कूद गया था।

रमेश विश्वास कुमार गुजरात के पास स्थित केंद्रशासित प्रदेश दीव का रहने वाला है। जैसे ही प्लेन क्रैश हुआ, वैसे ही वह कूद गया था। पुलिस ने भी कन्फर्म किया है कि जो आदमी बचा उसका नाम विश्वास रमेश कुमार है। रमेश कुमार विश्वास ने बताया हादसे के बाद जोरदार धमाका हुआ, चारों

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

मुख्यमंत्री ने विमान दुर्घटना में मृत राजस्थान के 11 यात्रियों के परिजनों को फोन पर ढांढ़स बंधाया

उन्होंने अपने सभी कार्यक्रम निरस्त किये तथा शोक संवेदना व्यक्त की

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- मुख्यमंत्री भजनलाल ने कहा कि दुर्घटनाग्रस्त विमान में राजस्थान के यात्री उदयपुर, बाँसवाड़ा, बीकानेर और बालोतरा के निवासी थे। जिला प्रशासन सभी के परिजनों से संपर्क में है और हर संभव सहायता सुनिश्चित कर रहा है।
- राजस्थान प्रदेश भाजपा ने विमान दुर्घटना पर गहरा शोक व्यक्त किया तथा 13 जून तक अपने सभी प्रस्तावित कार्यक्रमों को निरस्त कर दिया।

जयपुर, 12 जून। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने गुरुवार को हुई अहमदाबाद विमान दुर्घटना पर गहरा दुःख जताते हुए, इस भीषण हादसे में जान गंवाने वाले लोगों के प्रति गहरी शोक संवेदना व्यक्त की है। शर्मा ने हादसे में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रूपाणी के निधन पर भी संवेदनाएं जतायी हैं। शर्मा ने कहा कि यह हादसा अत्यंत दुःखद एवं हृदय विदारक है। इस कठिन समय में मैं दिवंगत लोगों की आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना करता हूं। ईश्वर उनके परिजनों को इस असहनीय पीड़ा को सहन करने की शक्ति प्रदान करे। उन्होंने घायलों के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना भी की।

मुख्यमंत्री ने कहा गुजरात सरकार और केन्द्र सरकार इस हादसे से उत्पन्न स्थिति को संभालने में जुटी हुई हैं और पड़ोसी राज्य होने के नाते राजस्थान सरकार भी हरसंभव सहयोग को तैयार है।

शर्मा ने कहा कि अब तक इस विमान में राजस्थान के 11 यात्रियों के सवार होने की जानकारी मिली है। ये यात्री उदयपुर, बांसवाड़ा, बीकानेर और बालोतरा जिलों के निवासी थे।

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

टाटा समूह एक-एक करोड़ रू. आर्थिक सहायता देगा

मुंबई, 12 जून। टाटा समूह ने अहमदाबाद में एयर इंडिया के विमान हादसे में मारे गये लोगों के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये नगद सहायता राशि प्रदान करने की घोषणा की है।

टाटा संस के चेयरमैन एन. चंद्रशेखरन ने 'एक्स' पर एक बयान में एयर इंडिया की अहमदाबाद लंदन की उड़ान संख्या 171 की दुर्घटना पर समूह की ओर से गहरा दुख व्यक्त किया। उन्होंने कहा, टाटा समूह इस त्रासदी में प्राण गंवाने वाले प्रत्येक व्यक्ति के परिजनों को एक-एक करोड़ रुपये देगा। हम घायल व्यक्तियों के इलाज का पूरा खर्च उठायेंगे और यह सुनिश्चित किया जायेगा कि उन्हें पूरी मदद मिले और उनका ध्यान रखा जाये।

- घायलों के इलाज का पूरा खर्च उठायेगा तथा छात्रावास भवन के पुनर्निमाण में मदद करेगा।

चंद्रशेखरन ने इसके अलावा अहमदाबाद के बीजे मेडिकल्स के

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)

हवाई जहाजों व हवाई यात्रा में "सेफ्टी" का मुद्दा अब सबसे अहम् हो गया है

सरकार "नागरिक उड्डयन" की दृष्टि से भारत को अंतर्राष्ट्रीय "हब" (केन्द्र) बनाने के सपने सजो रही थी। पर, इस प्रयास को भारी धक्का लगा है, अहमदाबाद में हुए प्लेन क्रैश से

-जाल खंबाता-
-राष्ट्रदूत दिल्ली ब्यूरो-

नई दिल्ली, 12 जून। गुरुवार को अहमदाबाद में यात्री विमान एआई-171 की दुखद दुर्घटना ने न केवल देश को झकझोर दिया है, बल्कि विमानन सुरक्षा से जुड़े गंभीर मुद्दों को एक बार फिर से केन्द्र में ला दिया है। एयर इंडिया द्वारा संचालित यह 11 साल पुराना विमान आधुनिक तकनीक से लैस था और इसका रूटीन निरीक्षण भी किया गया था, फिर भी यह एक भयावह हादसे का शिकार हो गया, जिसे विशेषज्ञ हाल के वर्षों की सबसे बड़ी विमान दुर्घटनाओं में से एक बता रहे हैं।

हवाई दुर्घटना में मारे गए लोगों में गुजरात के पूर्व मुख्यमंत्री विजय रुपाणी भी शामिल हैं, जिसकी पुष्टि राज्य भाजपा अध्यक्ष एवं केन्द्रीय मंत्री सी.आर. पाटिल ने की है।

- यह भावना जोर पकड़ रही है कि सिविल एविएशन सैक्टर बड़ी स्वस्थ गति से बढ़ रहा था। यात्री बढ़ रहे थे, नई हवाई पट्टियों की संख्या जोरों से बढ़ रही थी। पर, हवाई जहाजों की देख-रेख व सेफ्टी की दृष्टि से रख-रखाव व टैस्टिंग का इंफ्रास्ट्रक्चर उस गति से नहीं बढ़ा है। चूक होने का बस इन्तज़ार सा ही था।
- कांग्रेस ने इस मुद्दे पर, सरकार को दोषी ठहराते हुए आरोप लगाया कि "प्राइवेटाइज़ेशन" पर सरकार का ज्यादा जोर था, पैसेंजर सेफ्टी पर कम।
- एयर इंडिया का जहाज आधुनिकतम साज-सामान व टैक्नॉलजी से सुसज्जित था, पर, यह भी सच है कि प्लेन दस साल से कार्यरत है। इस लम्बी अविध में प्लेन में अंदर ही अंदर कितनी "वेयर एण्ड टेयर" (टूट-फूट) हुई है, सतही निरीक्षण से पकड़ने में नहीं आता। अतः हवाई जहाजों का गहराई से आंतरिक इन्स्पैक्शन होना जरूरी है। पर, शायद इसके लिए हम अभी मानसिक रूप से व तकनीकी सुविधाओं से निरीक्षण करने के लिए मशीन व मैन पावर से सुसज्जित नहीं हैं।

विमान में सवार अधिकांश लोगों के मारे जाने की आशंका है। जबकि, अहमदाबाद के विभिन्न अस्पतालों में अब भी 43 से अधिक घायल लोगों का इलाज चल रहा है। इस हादसे में जीवित बचे एक यात्री रमेश विश्वास कुमार ने दुर्घटना का प्रत्यक्ष विवरण दिया है। दुर्घटना में हुई मौतों की समीक्षा चल रही है।

हालांकि यह पहला अवसर है, जब किसी बोइंग 787 विमान की घातक

(शेष अंतिम पृष्ठ पर)